डीआरडीओ समाचार

www.drdo.gov.in

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

दिसंबर 2022 खण्ड 34 अंक 12

"बलस्य मूलं विज्ञानम्"

ISSN: 0971-4405

बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस इंटरसेप्टर के दूसरे चरण का पहला सफल परीक्षण किया गया

प्रकाशन का 34वां वर्ष

मुख्य संपादक: डॉ के नागेश्वर राव
मुख्य सह-संपादक: अलका बंसल
प्रबंध संपादक: अजय कुमार
संपादकीय सहायक: धर्म वीर

डीआरडीओ समाचार के ई-संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ सुसन टाइटस, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
		श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई)
बेंगलूरु	:	श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई)
		श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स)
		श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर)
		डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक)
		डॉ प्रसन्ना एस बख्शी रक्षा जैव अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल)
		श्री वेंकटश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई)
		डॉ अशोक बंसीवाल, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ प्रिंस शर्मा, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशला (टीबीआरएल)
चेन्नई	:	श्रीमती एस जयसुधा, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील)
		श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री आशुतोष भटनागर, कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेपटेम)
		श्री तपेश सिन्हा, रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक)
		श्रीमती रश्मि राय चौहान, योजना एवं समन्वय निदेशालय (डीपी एण्ड सी)
		डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास)
		डॉ डॉली बंसल, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर)
		श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)
		श्रीमती रबिता देवी, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा)
		श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी)
		डॉ रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल)
		श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल)
		डॉ मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
		श्री ललित शंकर, अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई)
जगदलपुर	:	डॉ गौरव अग्निहोत्री, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री रवींद्र कुमार, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	श्री ए के सिंह, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लीथा एम एम, नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	ग्रुप कैप्टन आर के मंशारमरानी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई)
		डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी)
		डॉ एस नंदगोपाल, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ जयश्री दास, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)

इस अंक में

मुख्य लेख 4

घटनाक्रम 5

मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप 14

कार्मिक समाचार 16

अवसंरचना विकास 17

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम 18

वेबसाइट : https://www.drdo.gov.in/samachar

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें :

director.desidoc@gov.in

दूरभाष : 011-23902403, 23902434

फैक्स : 011-23819151

बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस इंटरसेप्टर के दूसरे चरण का पहला सफल परीक्षण किया गया

रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 02 नवंबर, 2022 को ओडिशा के तट पर स्थित ए पी जे अब्दुल कलाम द्वीप से विस्तृत संहारक क्षमता (लार्ज किल एल्टीट्यूड) ब्रेकेट से युक्त दूसरे चरण के बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (बीएमडी) इंटरसेप्टर एडी–1 मिसाइल का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया। यह उड़ान परीक्षण अलग–अलग स्थानों पर स्थित बीएमडी आयुध प्रणाली के सभी उपकरणों को प्रयोग में लाकर किया गया।

एडी–1 एक लंबी दूरी की इंटरसेप्टर मिसाइल है जिसे बाह्य वायुमंडल की निचली परत से होकर तथा वायुमंडल के भीतर उड़ान भर रही लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों और साथ ही विमानों पर अचूक प्रहार करने को ध्यान में रखकर अभिकल्पित किया गया है। यह दो चरणों के सॉलिड मोटर द्वारा संचालित मिसाइल प्रणाली है तथा लक्ष्य तक सटीक रूप से मार्गदर्शन करने के लिए इस प्रणाली को स्वदेश विकसित उन्नत नियंत्रण प्रणाली, नेविगेशन एवं गाइडेंस एल्गोरिद्म से लैस किया गया है।

इस उड़ान–परीक्षण के दौरान मिसाइल की सभी उप–प्रणालियों ने अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन किया जिसका सत्यापन उड़ान से संबंधित आंकड़े एकत्रित करने के लिए तैनात की गईं रडार प्रणालियों, टेलीमेट्री एवं इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग स्टेशनों सहित अनेक रेंज सेंसरों द्वारा प्राप्त किए गए आंकड़ों से किया गया।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने एडी–1 मिसाइल के सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ तथा इस कार्यक्रम से जुड़ी अन्य टीमों को बधाई दी। आपने कहा कि यह उन्नत तकनीकों से लैस एक विशिष्ट प्रकार का मिसाइल इंटरसेप्टर है जो विश्व के बहुत कम देशों के पास उपलब्ध है। आपने विश्वास व्यक्त किया कि यह देश की बीएमडी क्षमता को और अधिक मजबूत करेगा।

रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ डॉ समीर वी कामत ने इस सफल परीक्षण पर अपनी टीम को बधाई देते हुए कहा कि विभिन्न प्रकार के अनेक लक्ष्यों को ध्वस्त करने की क्षमता से युक्त यह इंटरसेप्टर प्रयोक्ताओं को सैन्य अभियानों के दौरान पर्याप्त विकल्प उपलब्ध कराएगा।

सतर्कता सप्ताह समारोह

डेसीडॉक, दिल्ली

भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों के प्रति आम जनता में जागरूकता उत्पन्न करने की दृष्टि से प्रति वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जाता है। रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के आयोजन के संबंध में निर्धारित किए गए मुख्य विषय 'भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु इसे भ्रष्टाचार मुक्त करना' पर 31 अक्टूबर 2022 से 6 नवंबर 2022 के दौरान अपने परिसर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2022 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत 31 अक्टूबर 2022 को डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक तथा डेसीडॉक के सभी कर्मचारियों द्वारा सत्यनिष्ठा शपथ लिए जाने के साथ हुई। समारोह के हिस्से के रूप में 2 नवंबर 2022 को एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले तीन

प्रतियोगियों को सम्मानित किया गया।

सतर्कता जागरूकता व्याख्यान भारत में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के लिए काम करने वाले प्रमुख गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल इंडिया की चेयरपर्सन डॉ मधु भल्ला द्वारा 3 नवंबर 2022 को दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री राज कुमार, वैज्ञानिक 'ई' एवं सतर्कता अधिकारी तथा उनकी टीम द्वारा किया गया था।

डीजीआरई, चंडीगढ़

रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान संस्थान (डीजीआरई), चंडीगढ़ द्वारा 31 अक्टूबर 2022 से 6 नवंबर 2022 के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2022 का आयोजन किया गया। संस्थान में इस जागरूकता सप्ताह का आयोजन केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा वर्ष 2022 के लिए सतर्कता जागरूकता सप्ताह के आयोजन हेतु निर्धारित किए गए मुख्य विषय 'भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु इसे भ्रष्टाचार मुक्त करना' को ध्यान में रखते हुए किया गया था।

रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान संस्थान (डीजीआरई) में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के आयोजन से संबंधित कार्यक्रमों की शुरुआत डॉ पी के सत्यावली, निदेशक, डीजीआरई द्वारा सभी कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा शपथ दिलाने के साथ शुरू हुई। इस अवसर पर श्री ए के गुप्ता, वैज्ञानिक 'एफ', सतर्कता अधिकारी, टीबीआरएल, चंडीगढ़ द्वारा 'भ्रष्टाचार मुक्त

भारत में सतर्कता की भूमिका' विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत दिया गया।

सप्ताह के दौरान डीजीआरई समुदाय के बीच सतर्कता के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए पोस्टर बनाना, निबंध लेखन और भाषण आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का आयोजन श्री अग्रज उपाध्याय, वैज्ञानिक 'एफ', सतर्कता अधिकारी तथा उनकी टीम द्वारा किया गया था।

एनएमआरएल, अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ में 31 अक्टूबर 2022 से 6 नवंबर 2022 के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। समारोह के एक हिस्से के रूप में अंबरनाथ मंडल के सहायक पुलिस आयुक्त श्री जगदीश डी सातव को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। श्री पी टी रोजत्कर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एनएमआरएल ने समारोह में उपस्थित अतिथि वक्ता का स्वागत किया तथा सभी जनों से उनका परिचय कराया।

श्री सातव ने एनएमआरएल कर्मचारियों में सतर्कता के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए 4 नवंबर 2022 को 'भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु इसे भ्रष्टाचार मुक्त करना' विषय पर एक व्याख्यान दिया। आपने सुरक्षा और सतर्कता से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

सतर्कता जागरूकता सप्ताह समारोह (31 अक्टूबर–6 नवंबर 2022) के एक हिस्से के रूप में नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के लिए निर्धारित किए गए मुख्य विषय 'भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु इसे भ्रष्टाचार मुक्त करना' पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

डॉ एच एन दास, वैज्ञानिक 'जी' तथा प्रौद्योगिकी निदेशक (सतर्कता एवं सुरक्षा) ने अपने स्वागत भाषण में बल देकर कहा कि सतर्कता ही भ्रष्टाचार रोग की एकमात्र दवा है।

हिन्दुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल), विशाखापत्तनम के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री वेंकटेश्वरलू तल्लूरी ने अतिथि व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में आपने सरकारी कार्यालयों में सतर्कता उपायों को लागू किए जाने से संबंधित विभिन्न उपायों के बारे में विशेष रूप से चर्चा की।

आपने प्रशासनिक, वित्तीय तथा सामग्री प्रबंधन विषय से संबंधित विभिन्न केंद्रीय सिविल सेवा (सीसीएस) नियमों के बारे में भी विस्तार से बताया।

इस अवसर पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को समारोह के मुख्य अतिथि श्री पी वी एस गणेश कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा कार्यवाहक निदेशक, एनएसटीएल एवं श्री टी वेंकटेश्वरलू के द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।

अरुणाचल प्रदेश के तवांग में तीसरे डीआरडीओ किसान-जवान-विज्ञान मेले का आयोजन

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर के हीरक जयंती समारोह के एक हिस्से के रूप में अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले के चांगबू स्थित डीआरएल के अनुसंधान एवं विकास केंद्र में 30 सितंबर 2022 को तीसरे डीआरडीओ किसान–जवान–विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में कृषि उपज की प्रतियोगिता, प्रगतिशील किसानों के लिए पुरस्कार, प्रदर्शनी, किसान सभा आदि जैसे प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए गए। 38 बटालियन एसएसबी, तवांग के कमांडेंट श्री जी एस उदावत इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे।

तवांग जिले के प्रभारी उपायुक्त श्री रिनचिन लेटा तथा मुख्यालय 190 माउंटेन ब्रिगेड, तवांग के डिप्टी कमांडर कर्नल डोडी इस समारोह में सर्वाधिक सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित हुए थे। डॉ बी जे गोगोई, ओआईसी, डीआरएल, अनुसंधान एवं विकास केंद्र (आरडीसी), तवांग ने मेले में उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा अरुणाचल प्रदेश में रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल) द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के संबंध में उन्हें संक्षेप में अवगत कराया। डीआरएल के मुख्य मेला संयोजक डॉ अजिताभ बोरा ने इस मेले को आयोजित किए जाने के उद्देश्य से अतिथियों एवं प्रतिभागियों को अवगत कराया। तवांग जिले के कृषि एवं संबद्ध विभागों के प्रमुखों ने मेले में आमंत्रित सदस्यों एवं विषय विशेषज्ञों के रूप में भाग लिया। मेले में कुल 140 किसानों ने भाग लिया।

मेले में उपस्थित हुए चार विद्यालयों के विद्यार्थियों ने विज्ञान प्रश्नोत्तरी व मॉडल प्रतियोगिता में भाग लिया।

डीआरडीओ किसान–जवान–विज्ञान मेले के आयोजन से किसानों और जवानों को वैज्ञानिकों के साथ परस्पर बातचीत के लिए एक मंच प्राप्त हुआ जो सीमावर्ती क्षेत्र में ग्रामीणों के बीच राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

डॉ कलाम की जयंती का आयोजन

एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि द्वारा 15 अक्टूबर 2022 को डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम की 91वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर एनपीओएल के प्रवेश द्वार पर स्थापित की गई डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

डॉ अजित कुमार के, वैज्ञानिक 'जी' तथा निदेशक, एनपीओएल ने डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके पश्चात एनपीओएल के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भी डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम में 15 अक्टूबर 2022 को डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम की जयंती मनाई गई। विशाखापत्तनम पोर्ट ट्रस्ट के उपाध्यक्ष श्री दुर्गेश कुमार दूबे इस समारोह के मुख्य अतिथि थे।

इस अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान में मुख्य अतिथि ने कहा कि युवा पीढ़ी को डॉ अब्दुल कलाम का अनुसरण करना चाहिए और उन्हें अपना आदर्श बनाना चाहिए।

इस समारोह में डॉ पी वी एस गणेश कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा कार्यवाहक निदेशक, एनएसटीएल, श्री मनु कोरुल्ले, डॉ एच एन दास, अब्राहम वर्गीस, श्री मधु किरण, श्री डी श्रीधर पटनायक, श्री सी एच वी एस एन मूर्ति, अध्यक्ष, एनएसटीएल सिविल इम्प्लॉयज यूनियन; एनएसटीएल सिविल इम्प्लॉयज यूनियन तथा वर्क्स कमेटी के सचिव श्री हेमंत बैस; और एनएसटीएल के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

डीआरएल, तेजपुर में प्लॉग रन

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर ने फिट इंडिया फ्रीडम रन 3.0 के तहत 2 अक्टूबर, 2022 को सोलमारा छावनी में प्लॉग रन कार्यक्रम का आयोजन किया जिसका शीर्षक 'आजादी के 75 साल, फिटनेस रहे बेमिसाल' था। इस प्लॉग रन कार्यक्रम में डीआरएल परिवार के सदस्यों के साथ सोलमारा स्थित विभिन्न कार्यालयों के कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने पूरे उमंग एवं उत्साह के साथ भाग लिया। इसके पश्चात महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में एक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

गांधी जयंती समारोहों का आयोजन

इलेक्ट्रॉनिक्स तथा रडार विकास स्थापना (एलआरडीई), बेंगलुरु ने महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में 2 अक्टूबर 2022 को 'स्वच्छता अभियान' का आयोजन किया। इस अभियान का आयोजन डॉ पी राधाकृष्ण, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एलआरडीई के नेतृत्व में किया गया था। अभियान के हिस्से के रूप में एलआरडीई परिसर तथा एलआरडीई के आसपास की सफाई की गई। 3 अक्टूबर 2022 को निदेशक, एलआरडीई तथा एलआरडीई के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा को पुष्पांजलि अर्पित की।

एनपीओएल द्वारा लंबित मामलों के निपटान हेतु विशेष अभियान तथा स्वच्छता अभियान चलाया गया

भारत सरकार द्वारा 2–31 अक्टूबर 2022 की अवधि के दौरान लंबित मामलों के निपटान हेतु विशेष अभियान (एससीडीपीएम 2.0) तथा स्वच्छता अभियान–2022 चलाया गया था। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लंबित मामलों का निपटान करना, स्थान प्रबंधन, अभिलेख प्रबंधन, स्क्रैप निपटान तथा भवन/परिसर के सौंदर्यीकरण हेतु कार्य करना था।

इस अभियान का अनुसरण करते हुए नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि द्वारा भी अपनी प्रयोगशाला में लंबित मामलों के निपटान हेतु एससीडीपीएम 2.0 तथा स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान को चलाए जाने का मुख्य उद्देश्य प्रयोगशाला में लंबित मामलों की संख्या में कमी लाना, अभिलेख प्रबंधन विषय में अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करना तथा बेहतर अभिलेख प्रबंधन के लिए भौतिक अभिलेख को डिजिटल आरूप में सुरक्षित करना था। एनपीओएल के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता अभियान को पूरी गंभीरता से लिया गया। प्रयोगशाला में भौतिक फाइलों के डिजिटलीकरण का कार्य प्रगति पर है। इस अभियान के दौरान एनपीओएल ने दो हजार से अधिक भौतिक फाइलों की छंटाई की है। एनपीओएल द्वारा इस

अभियान के तहत 2, 14 एवं 20 अक्टूबर 2022 को प्रयोगशाला में तीन सामूहिक सफाई अभियान चलाए गए। 31 अक्टूबर 2022 को विशेष अभियान के समापन के अवसर पर डॉ के अजित कुमार, निदेशक, एनपीओएल द्वारा प्रक्रियाओं को सरल बनाने की पहल के रूप में एक ऑनलाइन एमटी व्हीकल डिमांड पोर्टल का उद्घाटन किया गया।

उसी दिन, एनपीओएल के अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने एनपीओएल परिसर में अनुपयोगी भूमि की साफ–सफाई के लिए चलाए गए एक सामूहिक सफाई अभियान में भाग लिया। इन आयोजनों से संबंधित समाचार दूरदर्शन द्वारा डीडी मलयालम न्यूज पर 2.50 मिनट तक प्रसारित किए गए। इस विशेष अभियान के दौरान करीब 14 ट्रक आईटी कचरा और कबाड़ हटाया गया। चूंकि विशेष अभियान के तहत निर्धारित किए गए कार्यक्रम में लंबित मामलों के निपटान के लिए कोई भी मामला शामिल नहीं किया गया था, अतः इस संबंध में कोई भी कार्रवाई नहीं की गई।

एनएमआरएल में एमईएस दिवस समारोह का आयोजन

वर्ष 1923 में स्थापित सैन्य अभियांत्रिकी सेवा (एमईएस) कोर भारतीय सेना के कोर ऑफ इंजीनियर्स के स्तंभों में से एक है जो भारतीय सशस्त्र बलों की अग्रिम पंक्ति को अभियांत्रिकी सहायता प्रदान करता है। एमईएस कोर भारत में थल सेना, नौसेना, वायु सेना, रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डीआरडीओ) एवं आयुध कारखानों द्वारा अपेक्षित सभी निर्माण कार्यों, भवनों, हवाई अड्डों, डॉक प्रतिष्ठानों के साथ–साथ सैन्य सड़कों, पानी, बिजली आपूर्ति, जल निकासी, प्रशीतन और फर्नीचर आदि जैसी आवश्यक सेवाओं के डिजाइन, निर्माण और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है। नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल) द्वारा मुख्यालय, जीई के निर्देशों के अनुसार 26 सितंबर 2022 को एमईएस संगठन का 100वां 'स्थापना दिवस' समारोह आयोजित किया गया तथा इस अवसर पर एमईएस 'रखरखाव मेले' का आयोजन किया। 'रखरखाव मेले' को

आयोजित करने का उद्देश्य लाभार्थी को शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रोत्साहित करना तथा कुशल श्रमिकों की सहायता से सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर उन शिकायतों का समाधान करना था। श्री पी टी रजोत्कर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एनएमआरएल ने इस मेले का उद्घाटन किया। लाभभोगियों को रख–रखाव एवं मरम्मत से जुड़ी शिकायतें दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर कुल 37 शिकायतें दर्ज कराई गईं और उसी दिन उनका निराकरण कर दिया गया। 'रखरखाव मेले' को सफल बनाने में एनएमआरएल परिसर के भीतर रहने वाले लाभभोगियों, अर्थात कर्मचारियों एवं उनके परिवारों का सक्रिय सहयोग अपरिहार्य था।

एनएसटीएल में डेंटल चेकअप कैंप का आयोजन

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने 11 नवंबर 2022 को परिवार कल्याण केंद्र में एक डेंटल चेकअप कैंप का आयोजन किया।

डेंटल कैंप का आयोजन एनएसटीएल वर्क्स कमेटी द्वारा द स्माइल सुपर स्पेशलिटी डेंटल क्लिनिक, विशाखापत्तनम के सहयोग से किया गया। डॉ वाई श्रीनिवास राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एएनएसटीएल ने मुख्य अतिथि के रूप में डेंटल कैंप का उद्घाटन किया। डॉ वाई राजेश कुमार, एमडीएस तथा डॉ श्रवण कुमार, एमडीएस एवं द स्माइल सुपर स्पेशलिटी डेंटल क्लिनिक की टीम ने एनएसटीएल वर्क्स कमेटी के सदस्यों– डॉ मनु कोरुल्ला, अध्यक्ष वर्क्स कमेटी; डॉ टी वी एस एल सत्यवाणी, श्री सी एच जया राव, श्री जी नागभूषणम, श्री एस के साहू, श्री सी एच चंद्रशेखर राव, श्री अनिल कुमार, श्री देवीदासन, श्री जनकराज तथा एनएसटीएल सीई यूनियन के अध्यक्ष सी एच वी एस एन मूर्ति के साथ मिल कर इस कैंप का पर्यवेक्षण किया। कुल 67 कर्मचारियों/एनएसटीएल परिवार के सदस्यों ने इस कैंप में उपलब्ध कराई गई चिकित्सीय सेवाओं का उपयोग किया।

विश्व गुणवत्ता सप्ताह का आयोजन

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम में इस वर्ष विश्व गुणवत्ता दिवस की थीम 'गुणवत्ता विवेकः सही काम करना' को ध्यान में रखते हुए गुणवत्ता जागरूकता के स्तर को बढ़ाने तथा गुणवत्ता पेशेवरों के प्रयासों एवं उनके योगदान को महत्व प्रदान करने के लिए 7–11 नवंबर 2022 के दौरान विश्व गुणवत्ता सप्ताह मनाया गया। विश्व गुणवत्ता दिवस प्रति वर्ष नवंबर में दूसरे गुरुवार को मनाया जाता है।

मुख्य अतिथि, डॉ वाई श्रीनिवास राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एनएसटीएल एवं विश्व गुणवत्ता सप्ताह आयोजन समिति के अध्यक्ष कमोडोर चंद्र शेखर, टी डी (क्यू एंड आर) ने उपस्थित जनों को संबोधित किया तथा गुणवत्ता से संबंधित जागरूकता को संवर्धन प्रदान करने की दृष्टि से उन्हें किसी भी संगठन की सफलता तथा व्यक्ति की समृद्धि में गुणवत्ता की भूमिका के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रख्यात वक्ताओं के अनेक व्याख्यानों का आयोजन किया गया।

डॉ ए श्रीनिवास कुमार, वैज्ञानिक 'एच', टीडी (बी एंड ई) द्वारा 'गुणवत्ता के साथ मेरे अनुभव' विषय पर मुख्य भाषण दिया गया। आपने अपने व्याख्यान में स्फोटक शीर्ष के रूप में प्रयुक्त गोले में आरडीएक्स के उपयोग के अनुमान तथा जिंक/सिल्वर ऑक्साइड (Zn-AgO) सेल्स/बैटरी के निर्माण में महत्वपूर्ण गुणवत्ता नियंत्रण मापदंडों पर दो केस स्टडी को कवर किया। आपने वस्तुओं के परीक्षण के दौरान गुणवत्ता इंजीनियरों की भूमिका तथा विभिन्न विस्फोटक सामग्रियों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण मापदंडों पर भी बल दिया।

डील, देहरादून में कला प्रदर्शनी का आयोजन

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून में कर्मचारियों, उनके परिवार के सदस्यों तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए 29 सितंबर 2022 को कला एवं कलाकृति की 'अभिव्यक्ति' नामक एक प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री कृष्ण लाल, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा कार्यवाहक निदेशक ने किया। कुल सतरह प्रतिभागियों ने वाटर कलर, एक्रेलिक, ऑइल पेंट, शेडेड पेंसिल स्केच, लिप्पन आर्ट, बॉटल आर्ट, मधुबनी पेंटिंग और कलमकारी वर्क में अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी को सभी ने सराहा। इस प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में डील कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय वैज्ञानिक तथा तकनीकी राजभाषा संगोष्ठी-2022

चंडीगढ़ तथा इसके आस–पास अवस्थित डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं की सहभागिता से रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान संस्थान (डीजीआरई) द्वारा 3–4 नवंबर 2022 के दौरान हिमाचल प्रदेश के मनाली में दो दिवसीय 'राष्ट्रीय वैज्ञानिक तथा तकनीकी राजभाषा संगोष्ठी–2022' का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ शैलेंद्र वी गाडे, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (आर्मामेंट एंड कॉम्बैट इंजीनियरिंग) तथा माननीय अतिथि डॉ ओ पी चौरसिया, निदेशक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (डिहार) एवं डॉ हिमांशु शेखर, निदेशक, पीएम, महानिदेशक (एसीई) कार्यालय, पुणे द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि ने वैज्ञानिक कार्यों में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने

की दृष्टि से इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन के लिए चंडीगढ़ तथा इसके आस–पास अवस्थित डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं के सहयोग से रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान संस्थान (डीजीआरई) द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। संगोष्ठी के दौरान रक्षा प्रौद्योगिकियों, क्रायोस्फेयर, प्राकृतिक आपदाओं, ऊर्जा तथा खाद्य सुरक्षा, सामान्य विज्ञान, चिकित्सा आदि वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषयों पर व्यापक विचार–विमर्श किया गया।

डेसीडॉक, दिल्ली में हिंदी दिवस तथा हिंदी पखवाड़े का आयोजन

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली में गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग तथा डीआरडीओ के राजभाषा निदेशालय द्वारा जारी मार्गदर्शन एवं निर्देशों का पालन करते हुए 16 सितंबर 2022 को हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। पखवाड़े का आयोजन डेसीडॉक की राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन 16 सितंबर 2022 को डेसीडॉक के निदेशक डॉ के नागेश्वर राव ने किया। इस अवसर पर दिए गए अपने उद्घाटन व्याख्यान में आपने डेसीडॉक के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सभी को राजभाषा हिंदी का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

डेसीडॉक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए कुल नौ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था ताकि उन्हें

अपना अधिकाधिक कामकाज राजभाषा हिंदी में करने के लिए प्रेरित किया जा सके। पखवाड़े के दौरान 'वाद विवाद' एवं 'पोस्टर प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया जिसे सभी ने सबसे ज्यादा पसंद किया।

जीटीआरई, बेंगलुरु में प्रशिक्षण कार्यक्रम

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने 26 सितंबर 2022 को गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई), बेंगलुरु में 'डीआरडीओ ई–पुस्तकालय का प्रयोग करके ई–संसाधनों को अधिकाधिक उपयोग में लाना तथा उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्र लिखना' विषय पर एक अल्पावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। श्री एम जेड सिद्दीकी, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, जीटीआरई ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया। डॉ रामचंद्र, वैज्ञानिक 'जी', जीटीआरई ने अपने संबोधन में गुणवत्तापूर्ण शोध पत्र लिखने के लिए प्रकाशनों व संसाधनों के महत्व का विशेष रूप से उल्लेख किया।

डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक ने ई–पत्रिकाओं के कंसॉर्टियम की स्थिति, ई–पत्रिकाओं की कवरेज तथा प्रकाशकों एवं डेसीडॉक से संबंधित प्रयोगशालाओं के लिए विभिन्न ई–पुस्तकों एवं मानकों हेतु निर्धारित किए गए अंशदान के बारे में बताया। डॉ फैजुल निशा, तकनीकी अधिकारी 'बी' ने प्रतिभागियों को डेसीडॉक पुस्तकालय सेवाओं के बारे में बताया। श्री दीपक कुमार वर्मा, वैज्ञानिक 'डी' ने डेसीडॉक के विभिन्न प्रकाशनों के बारे में बात की तथा यह बताया कि लेखकों द्वारा अपनी पांडुलिपि डीआरडीओ वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जाने के लिए किस प्रकार जमा कराई जा सकती है। इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स (आईईईई) के डॉ धनुकुमार पट्टनशेट्टी ने उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्र लिखने के तरीके पर एक विशेष व्याख्यान दिया। डॉ वी सेंथिल, वैज्ञानिक 'एफ', जीटीआरई ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

कैसडिक में तकनीकी पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन

युद्धक विमान प्रणाली विकास तथा एकीकरण केंद्र (कैसडिक) के तकनीकी सूचना केंद्र में 27–28 सितंबर 2022 के दौरान तकनीकी पुस्तकों की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक ने किया। श्री सी एच दुर्गा प्रसाद, वैज्ञानिक 'जी', केंद्र प्रमुख, कैसडिक ने समारोह की अध्यक्षता की। श्री परांजपे हेमंत वसंत, वैज्ञानिक 'एफ' तथा पुस्तकालय समिति के अध्यक्ष तथा कैसडिक के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी भी उद्घाटन सत्र के दौरान उपस्थित थे। प्रदर्शनी में विविध विषयों से संबंधित पुस्तकों की विस्तृत श्रृंखला शामिल की गई थी जिनकी प्रदर्शनी में आए सभी गणमान्य व्यक्तियों, कैसडिक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपार प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। श्री सी एच दुर्गा प्रसाद, केंद्र प्रमुख ने प्रदर्शनी में आए गणमान्य व्यक्तियों को

प्रयोगशाला द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के संबंध में संक्षेप में अवगत कराया। श्रीमती डी वनिता, वैज्ञानिक 'एफ', समूह निदेशक (पी एंड सी) ने प्रयोगशाला द्वारा चलाई जा रही विभिन्न परियोजनाओं तथा प्रयोगशाला द्वारा प्रयोग में लाए जा रहे विभिन्न उत्पादों के बारे में एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया।

डेसीडॉक से आई टीम द्वारा कैसडिक के तकनीकी प्रमुखों तथा समूह निदेशकों के लिए एक अल्पावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया। डॉ राव ने डेसीडॉक द्वारा प्रकाशित की जा रही ई–पत्रिकाओं/लेखों को प्राप्त करने के लिए डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं द्वारा दिए जाने वाले अंशदान की राशि के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी। श्री दीपक कुमार वर्मा, वैज्ञानिक 'डी', डेसीडॉक ने डीआरडीओ ई–लाइब्रेरी कंसोर्टियम के तहत ई–संसाधनों का उपयोग और उच्च गुणवत्ता के शोध पत्र लेखन के संबंध में प्रतिभागियों को विस्तार से बताया। आपने डीआरडीओ द्वारा प्रकाशित की जा रही विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं के संबंध में एक संक्षिप्त विवरण भी प्रस्तुत किया।

संपूर्ण कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ जोसेफिन निर्मला, तकनीकी अधिकारी 'बी', प्रभारी अधिकारी, टीआईसी तथा टीम, कैसडिक द्वारा किया गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय में व्याख्यान

डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने 'नए भारत के निर्माण के लिए बुनियादी ढांचा, सूचना एवं नवाचार' विषय पर आयोजित किए गए एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'आत्मनिर्भर भारतः अनुसंधान और नवाचार की भूमिका' विषय पर एक व्याख्यान दिया। इस सम्मेलन का आयोजन गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा गांधी स्मृति एवं गांधी दर्शन द्वारा दिल्ली लाइब्रेरी एसोसिएशन तथा सतीजा रिसर्च फाउंडेशन फॉर लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस के सहयोग से किया गया था। डॉ राव ने अपने संबोधन में डीआरडीओ की भूमिका एवं उपलब्धियों तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए इसके द्वारा हाल में की

गई पहलों का विशेष रूप से उल्लेख किया। अपने संबोधन के दौरान आपने इस बात पर भी बल दिया कि डीआरडीओ न केवल भारतीय सशस्त्र बलों के लिए बल्कि नागरिक समाज की बेहतरी के लिए भी काम कर रहा है।

विक्रय हेतु डीआरडीओ मोनोग्राफ

विभिन्न प्रकार के रॉट ऐलुमिनियम मिश्रधातुओं पर किए गए कई दशकों के मौलिक एवं अनुप्रयुक्त अनुसंधान क्रियाकलापों से प्राप्त हुए परिणामों के आधार पर रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने इन मिश्रधातुओं के सूक्ष्म संरचना–गुणधर्म संबंधों की व्यापक समझ विकसित की है। इस मोनोग्राफ में प्रमुख रूप से ऐलुमिनियम मिश्रधातु अभिकल्प के मौलिक आधार पर चर्चा की गई है जिसमें मिश्रधातु के निर्माण हेतु प्रयोग में लाए गए प्रधान एवं गौण धातु तत्त्वों की भूमिका, अशुद्धियों का प्रभाव तथा ताप–यांत्रिक प्रक्रियाओं में भिन्नता होने के कारण उत्पन्न होनेवाले प्रभाव एवं मिश्रधातुओं की सूक्ष्म संरचनाओं के विकास पर ताप उपचार के प्रभाव एवं इन मिश्रधातुओं के वांछित अभियांत्रिकी गुणधर्मों का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है।

मोनोग्राफ में इसके उपरांत महत्वपूर्ण रक्षा अनुप्रयोगों के लिए देश में उपलब्ध अवसंरचना सुविधाओं का उपयोग करके लिथियम–मुक्त विशेष रूप से तैयार किए जाने वाले रॉट ऐलुमिनियम मिश्रधातुओं के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी विकास तथा औद्योगिक पैमाने पर उत्पादन के लिए रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल) द्वारा किए गए प्रयासों और उपलब्धियों का वर्णन किया गया है। इस तरह के रक्षा अनुप्रयोगों में आयुधों, गोला–बारूदों, मिसाइलों, नौसैनिक पोतों, पैदल सेना द्वारा प्रयोग में लाए जाने वाले युद्धक वाहनों, स्वदेश में निर्मित युद्धक विमानों, सैन्य पुलों आदि के निर्माण हेतु अपेक्षित धातुओं को विकसित करना शामिल है।

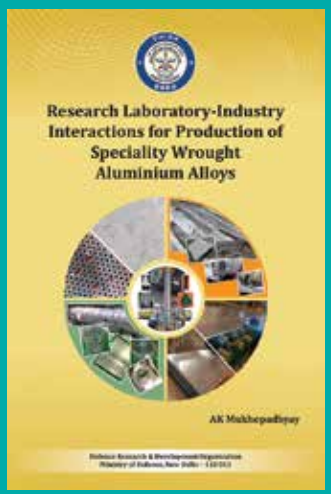

क्रय हेतु संपर्क करें:
निदेशक, डेसीडॉक, मेटकाफ हाउस, दिल्ली-110054
marketing.desidoc@gov.in; 011-23902612

मूल्यः आईएनआर ₹ 1700
युएस $ 35
युके £ 33

कॉरकॉन-2022 में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ के डॉ आर बालोजी नायक, वैज्ञानिक 'ई' को 'नॉवल फॉल रीलीज कोटिंग फोर अंडरवाटर हल ऑफ नवल शिप्स' विषय पर उनके द्वारा लिखे गए शोध लेख के लिए सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार–2022 प्रदान किया गया है। यह लेख उदयपुर, राजस्थान में 19–22 सितंबर 2022 के दौरान संक्षारण विषय पर आयोजित किए गए 28वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी (कॉरकॉन 2022) में प्रस्तुत किया गया था।

यह पुरस्कार 22 सितंबर 2022 को समापन कार्यक्रम के दौरान एएमपीपी गेटवे इंडिया सेक्शन के अध्यक्ष डॉ के बी सिंह द्वारा प्रदान किया गया।

डीआरडीओ दक्षिणी ज़ोन टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2022-23 का आयोजन

युद्धक विमान प्रणाली विकास तथा एकीकरण केंद्र (कैसडिक), बेंगलुरु ने 12–14 सितंबर 2022 के दौरान डीआरडीओ दक्षिणी ज़ोन टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2022–23 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। श्री सी एच दुर्गा प्रसाद, केंद्र प्रमुख (कैसडिक), ए वी एम उमेश कुमार, निदेशक आई ए एफ–पीएमटी (ईसीए) तथा श्री लक्ष्मण, वैज्ञानिक 'एफ', कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), अध्यक्ष (एस जेड एस सी) ने इस टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। टूर्नामेंट में दक्षिण जोन में अवस्थित डीआरडीओ की कुल 11 प्रयोगशालाओं से 44 कर्मियों ने भाग लिया। गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई) को टीम चैम्पियनशिप विजेता का खिताब तथा वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई) को उप विजेता का खिताब मिला। समापन समारोह कैसडिक के केंद्र प्रमुख, एयर कमोडोर के अप्पा राव तथा अध्यक्ष (एस जेड एस सी) की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

डीआरडीओ की प्रथम महिला द्वारा एनपीओएल द्वारा विकसित अंतर्जलीय ध्वानिकी (स्पेस) सुविधाओं के हल मॉड्यूल का शुभारंभ किया गया

अंतर्जलीय ध्वनिकी अर्थात पानी के भीतर ध्वनि को सुने जाने के लिए अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं की अपनी श्रृंखला को और अधिक संवर्धित करते हुए, नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने केरल के इदुक्की स्थित कुलामावु में अपनी अंतर्जलीय ध्वनिकी अनुसंधान सुविधा (यूएआरएफ) में 'अंतर्जलीय ध्वनिकी के अभिलक्षण–निर्धारण तथा मूल्यांकन हेतु सबमर्सिबल प्लेटफॉर्म (स्पेस)' नामक एक नई सुविधा की स्थापना की। इस सुविधा का निर्माण मैसर्स एल एंड टी शिपबिल्डिंग, चेन्नई द्वारा एनपीओएल द्वारा बताए गए अभिकल्पन तथा सूचित की गई आवश्यकताओं के आधार पर किया गया है।

इदुक्की जलाशय में निर्माण गतिविधियों को शुरू करते हुए 'अंतर्जलीय ध्वानिकी अर्थात पानी के भीतर ध्वनि के अभिलक्षण–निर्धारण तथा मूल्यांकन हेतु सबमर्सिबल प्लेटफॉर्म (स्पेस)' सुविधा के हल मॉड्यूल का 29 अक्टूबर 2022 को डीआरडीओ की प्रथम महिला श्रीमती स्मिता कामत द्वारा डॉ समीर वी कामत, सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग एवं अध्यक्ष डीआरडीओ की गरिमामयी उपस्थिति में औपचारिक रूप से शुभारंभ किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ कामत ने इस अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि यह अनुसंधान एवं विकास सुविधा 'आत्मनिर्भर भारत' तथा भारत की 'मेक इन इंडिया' प्रतिबद्धता को उल्लेखनीय रूप से संवर्धन प्रदान करेगी। डॉ के अजित कुमार, निदेशक, एनपीओएल ने परियोजना को साकार करने के लिए परियोजना टीम के सदस्यों को बधाई दी तथा इतनी महत्त्वपूर्ण प्रणाली को अभिकल्पित करने में एल एंड टी शिपबिल्डिंग द्वारा किए गए प्रयासों की मुक्त कंठ से सराहना की। आपने यह भी कहा कि इस सुविधा का उपयोग मुख्य रूप से सोनार प्रणालियों के मूल्यांकन के लिए किया जाएगा ताकि सेंसर एवं ट्रांसड्यूसर जैसे वैज्ञानिक पैकेजों की अविलंब तैनाती और त्वरित रिकवरी की जा सके।

परियोजना निदेशक (स्पेस), श्री समीर अब्दुल अज़ीज़ ने विभिन्न अनुसंधान एवं विकास उपकरणों, वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तथा अन्य तकनीकी सुविधाओं सहित विभिन्न विशेषताओं पर प्रकाश डाला। आपने स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों, जिला प्रशासन, केरल पुलिस विभाग, केरल बांध सुरक्षा प्राधिकरण, केरल राज्य विद्युत बोर्ड, वन एवं वन्यजीव विभागों, तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि इन सभी निकायों द्वारा समय से किए गए प्रयासों तथा सहयोग के फलस्वरूप ही विश्व में अपनी किस्म की पहली इस सुविधा को स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की जा सकी।

निमू, लेह में खुबानी प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर ने खुबानी से विभिन्न मूल्य योजित उत्पादों के विकास के लिए निमू, लेह में खुबानी प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना की है। प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन 24 अगस्त 2022 को लद्दाख के माननीय लेफ्टिनेंट गवर्नर श्री आर के माथुर द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में एडवोकेट ताशी ग्यालसन, अध्यक्ष, लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद (एलएएचडीसी) लेह; जामयांग सेरिंग नामग्याल, सांसद, लद्दाख; गुलाम मेहदी, स्टैनज़िन चोस्फेल, कार्यकारी पार्षद तथा सलाहकार उमंग नरूला भी उपस्थित थे।

डॉ अनिल दत्त सेमवाल, निदेशक, डीएफआरएल तथा डॉ ओ पी चौरसिया, निदेशक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार) ने इस संयंत्र तथा इसकी कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। यह संयंत्र खुबानी के फसल की कटाई के बाद के प्रबंधन सहित इसकी पूरी आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को प्रदर्शित करने के लिए डीआरडीओ एवं संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा की गई एक संयुक्त पहल है। इस प्रसंस्करण सुविधा को स्थापित किए जाने से कटाई के बाद फसल को होने वाले नुकसान में कमी आएगी तथा स्थानीय किसानों की आजीविका में सुधार लाने एवं रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के अलावा खुबानी के विश्व स्तरीय मूल्य योजित उत्पाद भी उपलब्ध होंगे।

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम

कैसडिक, बेंगलुरु

रियर एडमिरल ए एन प्रमोद, एसीएनएस (वायु) तथा आपकी टीम ने 23 अगस्त 2022 को युद्धक विमान प्रणाली विकास तथा एकीकरण केंद्र (कैसडिक), बेंगलुरु का दौरा किया। कैसडिक के केंद्र प्रमुख श्री सी एच दुर्गा प्रसाद ने इस अवसर पर प्रयोगशाला में पधारे अतिथियों को नौसेना के विभिन्न प्लेटफार्मों को विकसित करने की दिशा में कैसडिक द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी। श्रीमती डी वनिता, जीडी (पी एंड सी) तथा श्री हेमंत परांजपे, विंग प्रमुख (ईडब्ल्यूएटी) ने कैसडिक में चालू एवं नियोजित परियोजनाओं के संबंध में एक प्रस्तुति दी।

डील, देहरादून

गृह मंत्रालय (एनएसजी, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ तथा आईबी) के वरिष्ठ अधिकारियों एवं निम्न तीव्रता संघर्ष निदेशालय (एलआईसी) के निदेशक श्री संगीता राव आचार्य अडांकी ने 23 सितंबर 2022 को रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून का दौरा किया।

इस अवसर पर श्री कृष्ण लाल, वैज्ञानिक 'एच' तथा कार्यवाहक निदेशक, डील ने प्रयोगशाला में पधारे सभी गणमान्य व्यक्तियों का अत्यधिक गर्मजोशी से स्वागत किया तथा अपने संबोधन में सीमावर्ती क्षेत्रों एवं एल आई सी क्षेत्रों में प्रयोग में लाए जाने के लिए प्रणालियों/तकनीकी समाधानों को विकसित करने में रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील) द्वारा प्राप्त की गई विशेषज्ञता का विशेष रूप से उल्लेख किया। आपने गृह मंत्रालय से उन्नत आवश्यकताओं पर इनपुट उपलब्ध कराने का अनुरोध किया ताकि रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील) उच्च तकनीकी समाधानों पर विशेष ध्यान केंद्रित कर सके तथा प्रयोक्ता समूहों को उपलब्ध करा सके। इसके पश्चात प्रयोगशाला के विजन, मिशन, चार्टर तथा इसके द्वारा प्रौद्योगिकी विकास से संबंधित क्षेत्रों में किए जा रहे क्रियाकलापों पर प्रकाश डालते हुए एक प्रस्तुतिकरण किया गया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील) द्वारा विकसित उत्पादों में अपनी गहरी रुचि व्यक्त की।

गृह मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए डील, देहरादून के कार्यवाहक निदेशक श्री कृष्ण लाल, वैज्ञानिक 'एच'

डीएफआरएल, मैसूर

वाइस एडमिरल दीपक कपूर, रसद नियंत्रक, भारतीय नौसेना ने 16 सितंबर 2022 को रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर का दौरा किया। इस अवसर पर डॉ अनिल दत्त सेमवाल, निदेशक, डीएफआरएल ने प्रयोगशाला में पधारे अतिथि का स्वागत किया तथा डॉ आर कुमार, वैज्ञानिक 'एफ', सह निदेशक, डीएफआरएल ने डीएफआरएल द्वारा किए जा रहे अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों अर्थात राशन विकास, खाद्य प्रसंस्करण उपकरणों का स्वदेशीकरण, तत्काल खाए जाने वाले तथा सुविधाजनक खाद्य उत्पादों, गगनयान मिशन, खाद्य पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों, सैनिकों के प्रशिक्षण आदि पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

बातचीत के बाद, वाइस एडमिरल दीपक कपूर ने डीएफआरएल के प्रदर्शनी हॉल, अनुसंधान तथा विकास सुविधाओं का दौरा किया एवं भारतीय सशस्त्र बलों की खाद्य रसद से संबंधित आवश्यकता को पूरा करने के लिए डीएफआरएल द्वारा विकसित किए गए उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों की सराहना की।

डीआरएल, तेजपुर

लेफ्टिनेंट जनरल आर पी कलिता, यूवाईएसएम, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम, जीओसी–इन–सी पूर्वी कमान ने 14 अक्तूबर, 2022 को रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर आपने डॉ यू के सिंह, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (जैव विज्ञान), डीआरडीओ मुख्यालय, नई दिल्ली एवं डॉ डी वी कंबोज, निदेशक, डीआरएल, तेजपुर के साथ विशेष रूप से पूर्वोत्तर भारत में तैनात सैनिकों की सैन्य अभियानों से जुड़ी आवश्यकताओं पर चर्चा की। निदेशक, डीआरएल ने डीआरएल द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी जिसके पश्चात डीआरएल द्वारा चलाई जा रही विभिन्न परियोजनाओं तथा इसके द्वारा विकसित किए गए विभिन्न उत्पादों के संबंध में एक प्रस्तुतिकरण किया गया। जीओसी–इन–सी ने डीआरएल द्वारा

विकसित किए गए विभिन्न उत्पादों में गहरी रुचि दर्शायी तथा इस अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान में अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती गांवों में नागरिक आबादी एवं सेना के बीच तालमेल को बढ़ाने की दिशा में काम करने पर बल दिया।

आईआरडीई, देहरादून

निम्न तीव्रता संघर्ष निदेशालय (डीएलआईसी) ने गृह मंत्रालय तथा डीआरडीओ के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 22 सितंबर 2022 को यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून में एक बैठक–सह–प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के दौरान एनएसजी, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, आईबी तथा एसएसबी के वरिष्ठ अधिकारियों सहित गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने आईआरडीई के वैज्ञानिकों के साथ परस्पर संवादात्मक संबंध स्थापित किया तथा आईआरडीई के वैज्ञानिकों ने गृह मंत्रालय के अधिकारियों को आईआरडीई द्वारा विकसित किए गए उपकरण प्रदर्शित किए।

गृह मंत्रालय के सभी अधिकारियों ने

आईआरडीई द्वारा किए जा रहे अनुसंधान कार्यों की सराहना की। निदेशक, एलआईसी ने सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की भावी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सहयोग को और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

डेसीडॉक, मेटकाफ हाउस, दिल्ली–110 054 द्वारा प्रकाशित